रुचिरा केदार

हिंदुस्तानी गायन संगीत

6 अगस्त 1981 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में जन्मी, श्रीमती रुचिरा केदार ने अपने पिता श्री दिलीप काले तथा जयपुर घराने की श्रीमती अलका देव मारुलकर से संगीत का प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्रीमती रुचिरा केदार ने बनारस घराने की श्रीमती गिरिजा देवी के संरक्षण में ठुमरी, दादरा तथा संगीत के अन्य रूपों का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। वर्तमान में, आप ग्वालियर तथा जयपुर घराने के श्री उल्हास काशलकर से गायन संगीत में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

यूजीसी की जूनियर रिसर्च फेलो श्रीमती रुचिरा को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से युवा कलाकार छात्रवृत्ति भी मिल चुकी है। आप ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन की 'ए' ग्रेड कलाकार हैं। आपने देश–विदेश में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने प्रतिष्ठित आईटीसी संगीत अनुसंधान अकादेमी, कोलकाता की आवासीय छात्रवृत्ति प्राप्त की है तथा श्री उल्हास काशलकर का आपको मार्गदर्शन मिला है। आपके गायन से सम्बंधित कई रिकॉर्डिंग्स उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित आकाशवाणी शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली, श्रीमति रुचिरा केदार को मधुकली, मध्य प्रदेश द्वारा युवा साधक सम्मान, गणवर्धन संस्थान द्वारा शास्त्रीय गायन पुरस्कार तथा सुर सिंगार संसद, मुंबई द्वारा सुर मणि सम्मान समेत कई पुरस्कार मिले हैं।

हिन्दुस्तानी गायन संगीत के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा को रेखांकित करते हुए श्रीमती रुचिरा केदार को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा वर्ष 2018 के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।